अध्याय 12: काले मेघा पानी दे (धर्मवीर भारती) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

1. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **'काले मेघा पानी दे' किस विधा की रचना है?**
    - **(क) कहानी**
    - **(ख) निबंध**
    - **(ग) संस्मरण**
    - **(घ) रेखाचित्र**
    - **उत्तर: (ग) संस्मरण**
2. **लड़कों की टोली को समाज के लोग किस नाम से पुकारते थे?**
    - **(क) इंदर सेना**
    - **(ख) मेढक-मंडली**
    - **(ग) वानर सेना**
    - **(घ) बालक मंडली**
    - **उत्तर: (ख) मेढक-मंडली**
3. **इंदर सेना के लड़के क्या जयकारा लगाते थे?**
    - **(क) जय बजरंग बली**
    - **(ख) बोल गंगा मैया की जय**
    - **(ग) हर-हर महादेव**
    - **(घ) जय इंद्र देव**
    - **उत्तर: (ख) बोल गंगा मैया की जय**
4. **लेखक बचपन में किस सभा का उपमंत्री था?**
    - **(क) समाज सुधार सभा**
    - **(ख) आर्य सभा**

- (ग) कुमार-सुधार सभा
- (घ) बाल सुधार सभा
- उत्तर: (ग) कुमार-सुधार सभा

5. लेखक के अनुसार पानी की 'निर्मम बर्बादी' क्या थी?
   - (क) पानी का व्यर्थ बहना
   - (ख) इंदर सेना पर पानी फेंकना
   - (ग) तालाबों का सूखना
   - (घ) खेती में पानी देना
   - उत्तर: (ख) इंदर सेना पर पानी फेंकना
6. जीजी के अनुसार दान का असली फल कब मिलता है?
   - (क) जब बहुत सारा धन हो
   - (ख) जब अपनी ज़रूरत की वस्तु का त्याग किया जाए
   - (ग) जब किसी को दिखा कर दान दें
   - (घ) जब अमीर लोग दान दें
   - उत्तर: (ख) जब अपनी ज़रूरत की वस्तु का त्याग किया जाए
7. जीजी ने पानी फेंकने को किसकी संज्ञा दी?
   - (क) पानी की बर्बादी
   - (ख) पानी की बुआई
   - (ग) पानी का अपमान
   - (घ) एक खेल
   - उत्तर: (ख) पानी की बुआई
8. "यथा राजा तथा प्रजा" के स्थान पर जीजी ने क्या कहा?
   - (क) यथा प्रजा तथा राजा

- (ख) राजा ही सर्वोपरि है
- (ग) प्रजा को आज्ञा माननी चाहिए
- (घ) सब भगवान की इच्छा है
- उत्तर: (क) यथा प्रजा तथा राजा

9. लेखक के बचपन में उसे सबसे ज़्यादा प्यार किससे मिला?
   - (क) अपनी माँ से
   - (ख) जीजी से
   - (ग) पिता से
   - (घ) इंदर सेना से
   - उत्तर: (ख) जीजी से
10. निबंध के अंत में 'गगरी फूटी बैल पियासा' किस ओर संकेत करता है?
   - (क) पानी की कमी
   - (ख) संसाधनों की कमी
   - (ग) भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं की विफलता
   - (घ) अकाल की स्थिति
   - उत्तर: (ग) भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं की विफलता

2. एक पंक्ति वाले प्रश्न (One Line Q&A)

1. इंदर सेना सबसे पहले किसका जयकारा लगाती थी?
   - उत्तर: इंदर सेना सबसे पहले 'गंगा मैया' की जय बोलती थी।
2. इंदर सेना का मुख्य उद्देश्य क्या था?
   - उत्तर: इंदर सेना का मुख्य उद्देश्य गाँव में बारिश के लिए इंद्र देव को प्रसन्न करना था।
3. मेढक-मंडली की वेशभूषा कैसी थी?

- **उत्तर: मेढक-मंडली के लड़के नंगे बदन होते थे और केवल जाँघिया या लंगोटी पहनते थे।**

4. **लेखक को अंधविश्वासों के खिलाफ तरकस में तीर लेकर घूमना क्यों पसंद था?**
   - **उत्तर: क्योंकि वह कुमार-सुधार सभा का उपमंत्री था और उस पर आर्यसमाजी संस्कार थे।**
5. **जीजी के अनुसार ऋषि-मुनियों ने दान को क्या स्थान दिया है?**
   - **उत्तर: जीजी के अनुसार ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।**
6. **लेखक ने पानी फेंकने को 'निर्मम बर्बादी' क्यों कहा?**
   - **उत्तर: क्योंकि भीषण सूखे के समय जब पीने के लिए पानी की कमी थी, तब उसे बेकार में फेंकना उसे अनुचित लगा।**
7. **जीजी का लड़का किस आंदोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था?**
   - **उत्तर: जीजी का लड़का राष्ट्रीय आंदोलन (गांधी जी के नेतृत्व में) में लाठी खा चुका था।**
8. **इंदर सेना गाँव में घर-घर जाकर क्या माँगती थी?**
   - **उत्तर: इंदर सेना घर-घर जाकर पानी माँगती थी जिसे उन पर ऊपर से फेंका जाता था।**
9. **जीजी ने किसान का क्या उदाहरण दिया?**
   - **उत्तर: जीजी ने उदाहरण दिया कि जैसे किसान अच्छी फसल के लिए पहले कुछ सेर अनाज धरती में बोता है, वैसे ही पानी फेंकना भी एक 'बुआई' है।**
10. **निबंध के अनुसार आज के समय में देश के प्रति क्या गायब है?**
    - **उत्तर: आज के समय में लोगों के पास बड़ी-बड़ी माँगें तो हैं, पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है।**

3. तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer Q&A)

1. **लोगों ने लड़कों की टोली को 'मेढक-मंडली' नाम क्यों दिया?**

- **उत्तर: जो लोग इन लड़कों के नग्न स्वरूप, उनकी उछलकूद, कीचड़ में लोट लगाने और उनके शोर-शराबे से चिढ़ते थे, वे उन्हें 'मेढक-मंडली' कहते थे। यह नाम उनकी गतिविधियों के प्रति लोगों की खीझ और चिढ़ को दर्शाता था।**

2. **जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?**
   - **उत्तर: जीजी का तर्क था कि यदि हम इंद्र देव को पानी नहीं देंगे, तो वे हमें पानी कैसे देंगे? उनके अनुसार यह पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि पानी का 'अर्घ्य' है। जो चीज़ हम पाना चाहते हैं, उसे पहले दान में देना पड़ता है।**
3. **'गगरी फूटी बैल पियासा' - इंदर सेना के इस गीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों की गई है?**
   - **उत्तर: बैल भारतीय कृषि का मुख्य आधार हैं। यदि बारिश नहीं होगी, तो घास और पानी की कमी से बैल सबसे पहले प्रभावित होंगे। बैलों का प्यासा रहना पूरी कृषि व्यवस्था के ठप्प होने और अकाल की भीषणता का प्रतीक है।**
4. **जीजी ने दान और त्याग के बारे में लेखक को क्या समझाया?**
   - **उत्तर: जीजी ने कहा कि करोड़ों रुपयों में से दो-चार रुपये देना त्याग नहीं है। सच्चा त्याग वह है कि जो वस्तु आपके पास कम है और जिसकी आपको भी बहुत ज़रूरत है, उसे दूसरों के कल्याण के लिए देना ही वास्तविक दान है।**
5. **लेखक और जीजी के बीच किस बात को लेकर वैचारिक संघर्ष था?**
   - **उत्तर: लेखक का किशोर मन विज्ञान और तर्क पर आधारित था, इसलिए वह इंदर सेना के कार्यों को अंधविश्वास और पानी की बर्बादी मानता था। वहीं जीजी के मन में अटूट लोक-विश्वास और श्रद्धा थी, वे इसे आध्यात्मिक पुण्य मानती थीं।**
6. **जीजी के अनुसार 'बुआई' और 'पानी फेंकने' में क्या समानता है?**
   - **उत्तर: जैसे किसान 30-40 मन गेहूँ उगाने के लिए 5-6 सेर अच्छा अनाज धरती में बोता है, वैसे ही जीजी मानती थीं कि सूखे में पानी फेंकना एक तरह की बुआई है, जिससे बादलों की अच्छी फसल आएगी।**
7. **लेखक को अपनी जीजी की कौन-सी बात सबसे ज़्यादा प्रभावित करती थी?**

- उत्तर: यद्यपि लेखक जीजी के अंधविश्वासों को नहीं मानता था, पर जीजी का निस्वार्थ प्रेम और उनकी संतुष्टि के लिए वह उन रीति-रिवाजों में शामिल होता था। जीजी की ममता ने लेखक के तर्कों के किले को पस्त कर दिया था।

8. इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती थी?
   - उत्तर: भारतीय संस्कृति में गंगा नदी को माँ माना गया है और वह जीवनदायिनी है। किसी भी शुभ कार्य या जल से जुड़े अनुष्ठान में गंगा का नाम लेना श्रद्धा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े होने का प्रतीक है।
9. 'काले मेघा पानी दे' निबंध में पानी के संदर्भ में क्या दुविधा दिखाई गई है?
   - उत्तर: निबंध में विज्ञान के तर्क और लोक-विश्वास के सामर्थ्य के बीच की दुविधा को दिखाया गया है। एक तरफ विज्ञान इसे पानी का नुकसान मानता है, तो दूसरी तरफ विश्वास इसे संकट से उबरने का एक आध्यात्मिक उपाय मानता है।
10. जीजी के अनुसार 'यथा प्रजा तथा राजा' का क्या अर्थ है?
    - उत्तर: इसका अर्थ है कि जैसा प्रजा का आचरण होगा, वैसा ही राजा और शासन का स्वरूप बनेगा। गांधी जी भी यही कहते थे कि यदि नागरिक खुद को बदलें और त्याग की भावना रखें, तो शासन भी सही दिशा में काम करेगा।

4. पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer Q&A)

1. 'काले मेघा पानी दे' निबंध में लोक-विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व को लेखक ने किस प्रकार चित्रित किया है?
   - उत्तर: लेखक ने अपने किशोर मन के माध्यम से विज्ञान की तार्किकता को प्रस्तुत किया है जो इंदर सेना द्वारा पानी फेंके जाने को अंधविश्वास और बर्बादी मानता है। दूसरी ओर, जीजी का पात्र लोक-विश्वास और परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो तर्क से परे श्रद्धा और त्याग को महत्व देता है। लेखक दिखाता है कि विज्ञान जहाँ हाथ खड़े कर देता है, वहाँ समाज अपने विश्वासों के सहारे संघर्ष करने का रास्ता खोजता है। अंत में लेखक यह प्रश्न खुला छोड़ देता है कि प्रेम और विश्वास का सत्य बड़ा है या विज्ञान का तर्क, क्योंकि भावनात्मक जुड़ाव अक्सर तर्कों पर भारी पड़ता है।
2. जीजी द्वारा दान और त्याग के पक्ष में दिए गए तर्कों का विश्लेषण कीजिए।

- **उत्तर: जीजी का मानना था कि बिना त्याग के दान का कोई फल नहीं मिलता। उन्होंने बहुत ही सरल उदाहरणों से लेखक को समझाया कि अपनी आवश्यकता को पीछे रखकर दूसरों के लिए दी गई वस्तु ही श्रेष्ठ दान है। उन्होंने किसान के अनाज बोने का उदाहरण देकर यह सिद्ध किया कि पानी फेंकना एक निवेश है, जिससे भविष्य में वर्षा रूपी लाभ होगा। उनके तर्क केवल अंधविश्वास नहीं थे, बल्कि उनमें जीवन का एक गहरा दर्शन–'पहले देना, फिर पाना' छिपा हुआ था। यह त्याग ही व्यक्ति और समाज के आचरण को महान बनाता है।**

3. **आज के संदर्भ में 'गगरी फूटी बैल पियासा' की व्याख्या भ्रष्टाचार के संदर्भ में कीजिए।**

    - **उत्तर: निबंध के अंत में लेखक आज की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहता है कि काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं और झमाझम बरसते हैं, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है। इसका अर्थ है कि देश में संसाधनों और योजनाओं की कोई कमी नहीं है (मेघा बरस रहे हैं), लेकिन भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कारण आम जनता तक उसका लाभ नहीं पहुँच पाता (गगरी फूटी है)। आज हम दूसरों के भ्रष्टाचार की बातें तो करते हैं, पर स्वयं त्याग करने को तैयार नहीं हैं। यह विडंबना हमारे विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।**

4. **लेखक ने इंदर सेना को 'अंधविश्वासों के कारण गुलामी' से कैसे जोड़ा है?**

    - **उत्तर: लेखक का तर्क था कि भारत में व्याप्त पाखंड और अंधविश्वासों के कारण ही हम वैज्ञानिक दृष्टि से पिछड़ गए और अंततः अंग्रेजों के गुलाम बन गए। वह मानता था कि जब तक हम तर्क और विज्ञान के बजाय ऐसे निरर्थक अनुष्ठानों में अपना समय और संसाधन नष्ट करेंगे, तब तक हम विश्व में पिछड़े ही रहेंगे। इंदर सेना द्वारा पानी की बर्बादी उसके लिए उस मानसिक दासता का प्रतीक थी जिसने देश की प्रगति को रोक रखा था।**

5. **भ्रष्टाचार और स्वार्थ के प्रति लेखक के क्या विचार हैं? वे हमें क्या सोचने पर मजबूर करते हैं?**

    - **उत्तर: लेखक का मानना है कि हम सब भ्रष्टाचार की आलोचना तो बहुत चटखारे लेकर करते हैं, लेकिन अपने स्तर पर अपने स्वार्थ के लिए उसी व्यवस्था का हिस्सा बन जाते हैं। आज देश के प्रति कर्तव्य और त्याग की**

भावना लुप्त होती जा रही है। हर कोई बड़ी-बड़ी माँगें रखता है, पर अपनी ज़िम्मेदारी निभाने से पीछे हटता है। लेखक का यह प्रश्न–"आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?"—हमें आत्म-मंथन करने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में परिवर्तन चाहते हैं या केवल दूसरों पर दोष मढ़ना चाहते हैं।

6. रिश्तों में 'भावना शक्ति' और 'बुद्धि शक्ति' के बीच के संघर्ष को लेखक ने कैसे महसूस किया?
    - उत्तर: लेखक की बुद्धि इंदर सेना के विरुद्ध थी, पर जीजी के प्रति उनका अगाध प्रेम उन्हें उन विश्वासों को मानने पर विवश कर देता था। यह पाठ दिखाता है कि कई बार हमारी भावनाएँ हमारे वैज्ञानिक तर्कों से अधिक शक्तिशाली होती हैं। लेखक जीजी का मन रखने और उनका स्नेह पाने के लिए उन कार्यों को भी करता था जिन्हें वह गलत मानता था। यह दर्शाता है कि मानव जीवन केवल तर्कों से नहीं चलता, बल्कि आपसी स्नेह, विश्वास और संवेदनाओं का रस भी जीवन को सार्थकता देता है।
7. आषाढ़ के महीने में भारतीय कृषि समाज की मनोदशा का वर्णन कीजिए।
    - उत्तर: भारत एक कृषि प्रधान देश है जहाँ बारिश जीवन का आधार है। यदि आषाढ़ का पहला पखवारा बीत जाने पर भी बादल न दिखें, तो किसान और ग्रामीण समाज में त्राहिमाम मच जाता है। खेती रुक जाती है, ज़मीन फटने लगती है और पशु प्यास से मरने लगते हैं। ऐसी भीषण स्थिति में जब विज्ञान असफल हो जाता है, तो उत्सवधर्मी भारतीय समाज पूजा-पाठ और इंदर सेना जैसे पारंपारिक उपायों का सहारा लेता है। यह स्थिति दिखाती है कि पानी की आशा पर ही सारा जीवन टिका हुआ है।
8. लेखक ने जीजी के व्यक्तित्व को 'तीज-त्योहारों और अनुष्ठानों की खान' क्यों कहा है?
    - उत्तर: जीजी एक पारंपरिक भारतीय महिला थीं जिनके लिए धर्म और लोक-रीति सर्वोपरि थी। वे दिवाली पर गोवर्धन बनाना, जन्माष्टमी पर झाँकी सजाना, और हर-छठ पर पूजा करना अपना कर्तव्य समझती थीं। वे इन सभी कार्यों को लेखक से करवाती थीं ताकि उस पुण्य का फल लेखक को मिले। उनके पास हर संकट का समाधान किसी न किसी अनुष्ठान या पूजा में होता

था। उनका यह व्यक्तित्व भारतीय संस्कृति के उस सहज और अटूट विश्वास को दर्शाता है जो पीढ़ियों से चला आ रहा है।

9. 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण का शीर्षक कितना सार्थक है?

- उत्तर: शीर्षक 'काले मेघा पानी दे' अत्यंत सार्थक है क्योंकि यह पूरी रचना के मूल भाव–पानी की पुकार और बादलों से जुड़ी आशा को व्यक्त करता है। यह शीर्षक उस गीत की पंक्ति है जिसे गाते हुए इंदर सेना सूखे के समय घर-घर जाती है। यह शीर्षक केवल भौतिक वर्षा की माँग नहीं है, बल्कि यह जीवन के सूखेपन, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन के बीच 'सार्थक परिवर्तन' की भी पुकार है। यह लोक-संस्कृति और मानवीय संकट दोनों को अपने भीतर समेटे हुए है।

10.निबंध के अंत में लेखक की चिंता देश के बदलते मूल्यों के प्रति क्या संकेत देती है?

- उत्तर: लेखक चिंतित है कि हमने स्वतंत्रता तो पा ली, पर भारतीयता के सच्चे मूल्यों–त्याग और ईमानदारी–को खो दिया है। आज हम अधिकारों की बात तो करते हैं, पर कर्तव्यों से भागते हैं। समाज में स्वार्थ और भ्रष्टाचार इतना गहरा गया है कि समृद्ध देश होने के बावजूद आम आदमी 'पियासा' है। लेखक यह संकेत देता है कि जब तक सामूहिक चेतना में त्याग और सेवा की भावना वापस नहीं आएगी, तब तक गगरी फूटी ही रहेगी और बैल प्यासे ही रहेंगे।